

# نغمه‌های برهان

(مجموعه شعر)

حسن برهانی



نغمه‌های برهان  
(مجموعه شعر)  
حسن برهانی

عکس جلد: پدram پیرنیا  
اجرای جلد: شبنم راجی کرمانی  
نظارت فنی: نقی سیف  
آماده‌سازی و نظارت بر چاپ: انتشارات قصیده‌سرا  
چاپ اول: ۱۳۸۴  
چاپ: سحاب  
تعداد: ۷۰۰ نسخه  
حق چاپ محفوظ است.  
۱۷۰۰ تومان



انتشارات مهرا

صندوق پستی ۱۵۸۷۵-۵۶۹۳

پست الکترونیک: mehra\_pub@hotmail.com



قصیده‌سرا

تلفن: ۷۵۳۲۲۲۵ - ۷۵۳۰۳۵۳

صندوق پستی ۱۵۸۷۵ - ۶۳۵۲

پست الکترونیک: ghasidehsara@hotmail.com

برهانی، حسن

نغمه‌های برهان مجموعه شعر / حسن برهانی. — تهران: مهرا،

۱۳۸۴.

۱۹۲ ص.

ISBN 964-8706-03-4: ۱۷۰۰۰ ریال

فهرست‌نویسی براساس اطلاعات فیبا.

۱. شعر فارسی — قرن ۱۴. الف. عنوان

۸۶۱/۶۲

PIR۷۹۶۳/۸۸۴۵۵۶

ن ۵۱۳ ب

۱۳۸۳

۱۳۸۳

۸۳-۲۹۰۳۴ م

کتابخانه ملی ایران

## فهرست

|         |                    |         |                      |
|---------|--------------------|---------|----------------------|
| ۲۶..... | خدایا.....         | ۱۳..... | پیشگفتار.....        |
| ۲۷..... | مجنون.....         | ۱۵..... | خاطرات کوه بلند..... |
| ۲۸..... | آخر نه همان.....   | ۱۶..... | ساقیا.....           |
| ۲۸..... | گردونه گردون.....  | ۱۶..... | دام عشق.....         |
| ۲۹..... | وصف خدا.....       | ۱۶..... | بهاران.....          |
| ۳۰..... | وقت رفتن.....      | ۱۷..... | بلبل دل سوخته.....   |
| ۳۰..... | بعد از مرگ.....    | ۱۸..... | آخر خداپرستی.....    |
| ۳۱..... | خاک خون سرشته..... | ۱۹..... | صورت چو پرگل.....    |
| ۳۱..... | طفلک یتیم.....     | ۱۹..... | تو گفתי.....         |
| ۳۲..... | عقاب.....          | ۲۰..... | خداوند!.....         |
| ۳۲..... | افسانه حیات.....   | ۲۱..... | بیا ای دل.....       |
| ۳۳..... | طلاق.....          | ۲۱..... | دیبا.....            |
| ۳۴..... | نوروز.....         | ۲۲..... | زندگی.....           |
| ۳۴..... | اشک.....           | ۲۳..... | دنیاپرست.....        |
| ۳۵..... | سرزمین گل.....     | ۲۴..... | خم مژگان.....        |
| ۳۵..... | عاشقی.....         | ۲۵..... | به به چه عجب.....    |
| ۳۶..... | شعله جان بخش.....  | ۲۶..... | صبا.....             |

|    |                |    |             |
|----|----------------|----|-------------|
| ۵۳ | امید تو        | ۳۷ | لاف         |
| ۵۴ | راه ناتمام     | ۳۸ | قصه من      |
| ۵۴ | دلبرم          | ۳۹ | لاله رخ     |
| ۵۵ | محبوب          | ۴۰ | سرشت آدمی   |
| ۵۵ | آغاز سحر       | ۴۰ | غنچه بشکنده |
| ۵۶ | پناه بی کسان   | ۴۱ | شبان پیر    |
| ۵۶ | آهنگ جدایی     | ۴۱ | عمر         |
| ۵۷ | ندای دل        | ۴۲ | تفسیر عشق   |
| ۵۷ | امید وصال      | ۴۲ | خلوت دل     |
| ۵۸ | هزار چهره زن   | ۴۳ | یک روز عمر  |
| ۵۹ | خطا کردم       | ۴۴ | نرگس        |
| ۵۹ | بوی بنار       | ۴۴ | دامن گلشن   |
| ۶۰ | ما را بس       | ۴۵ | کویر دل     |
| ۶۱ | فراق لحظه ها   | ۴۵ | قسم         |
| ۶۱ | گردش ایام      | ۴۶ | با نام خدا  |
| ۶۲ | شیگیر          | ۴۷ | رهرو عشق    |
| ۶۲ | قطار زندگی     | ۴۷ | طایر قدسی   |
| ۶۲ | حکایت          | ۴۷ | مادر        |
| ۶۳ | در ایامی که من | ۴۸ | پریچهره     |
| ۶۴ | دلبر نازنین من | ۴۹ | رند می فروش |
| ۶۶ | جان سخن        | ۴۹ | ماه نو      |
| ۶۷ | عرصه دنیا      | ۵۰ | بیا ای دوست |
| ۶۷ | نگار           | ۵۰ | عشق جاودانه |
| ۶۸ | آواره کوهسار   | ۵۱ | حریم عشق    |
| ۶۹ | حکایت          | ۵۱ | افق         |
| ۷۰ | گفتم           | ۵۱ | سنگ بی بها  |
| ۷۱ | دل بیمار       | ۵۲ | ساغر        |
| ۷۱ | راز هستی       | ۵۲ | طریقت       |
| ۷۲ | پارک ملت       | ۵۳ | ایزد دانا   |

|     |                   |    |                 |
|-----|-------------------|----|-----------------|
| ۸۷  | جو یار عمر        | ۷۲ | چشمان تو        |
| ۸۷  | شهد و شراب        | ۷۳ | ترک دل          |
| ۸۸  | دیدنی که مست      | ۷۳ | شب تاریک        |
| ۸۸  | بانگ و نوا        | ۷۴ | کینه قبا        |
| ۸۸  | دلبر زیبا         | ۷۴ | هاتف            |
| ۸۹  | بی خبران          | ۷۵ | سوسن باغ        |
| ۸۹  | اشک شمع           | ۷۵ | سرشوریده        |
| ۹۰  | دنیای بلاخیز      | ۷۶ | اولاد آدم       |
| ۹۰  | من بودم و تو بودی | ۷۶ | دار فانی        |
| ۹۱  | عاشق              | ۷۶ | گفته بودم       |
| ۹۲  | طائر اقبال        | ۷۷ | تب مرگ          |
| ۹۲  | اکسید سرب         | ۷۸ | زلف             |
| ۹۲  | سهمای گل          | ۷۸ | دستنوشته        |
| ۹۲  | ای کاش            | ۷۸ | طره گیسو        |
| ۹۳  | قاصد              | ۷۹ | می مستانه       |
| ۹۴  | قدم بر دیده من نه | ۷۹ | این چه رسم است  |
| ۹۴  | بشر               | ۸۰ | چشمان لیلا      |
| ۹۵  | ای دهر            | ۸۰ | اسرار وجود      |
| ۹۵  | ساقی کوثر         | ۸۰ | مست خراباتی     |
| ۹۶  | یاد داری          | ۸۱ | عشق ناتمام      |
| ۹۷  | چرخ کج مدار       | ۸۱ | وسوسه دل        |
| ۹۷  | دل آشفته          | ۸۲ | ای وای          |
| ۹۷  | سلام              | ۸۲ | آبروی کس        |
| ۹۸  | عطر و بوی یاسمین  | ۸۲ | گل سرخ          |
| ۹۸  | دیده گریان        | ۸۳ | گوش کن ای دخترم |
| ۹۹  | دوش دیدم          | ۸۳ | توصیف           |
| ۹۹  | اگر سنگی خورد     | ۸۴ | وعده دیدار      |
| ۱۰۰ | جوهر پاک          | ۸۶ | شیطان صفت       |
| ۱۰۰ | گل پاره ها        | ۸۶ | مژده            |

|                           |                              |
|---------------------------|------------------------------|
| ۱۱۶..... روز قیامت        | ۱۰۱..... ریحان               |
| ۱۱۶..... به من گویند..... | ۱۰۱..... قسم به زهره و ناهید |
| ۱۱۷..... دل شکسته         | ۱۰۲..... خوابم نیاید         |
| ۱۱۸..... بشنو از من       | ۱۰۲..... دیده بگشا           |
| ۱۱۸..... صدای قطره باران  | ۱۰۳..... سر کوی تو           |
| ۱۱۸..... ای دریغا.....    | ۱۰۳..... سوی خدا             |
| ۱۱۹..... بار سنگین غم     | ۱۰۴..... من دوست ندارم       |
| ۱۱۹..... شمع فروزان       | ۱۰۴..... بوی نسترن           |
| ۱۲۰..... بحث می و ساغر    | ۱۰۴..... سنگر عشق            |
| ۱۲۱..... ساز شکسته        | ۱۰۴..... چه کنم              |
| ۱۲۲..... ساقیا امشب       | ۱۰۵..... شراره               |
| ۱۲۲..... باران شادینا     | ۱۰۶..... نرم نرمک            |
| ۱۲۳..... کوی عشق          | ۱۰۶..... نور جاودان          |
| ۱۲۴..... آب حیات          | ۱۰۶..... بلبل شیرین سخن      |
| ۱۲۴..... زندگی            | ۱۰۷..... خواب دیدم           |
| ۱۲۴..... ساحل             | ۱۰۷..... اتفاق               |
| ۱۲۵..... گلها درآمد       | ۱۰۸..... وادی ایمان          |
| ۱۲۵..... عصیان روح        | ۱۰۸..... بگو با دل           |
| ۱۲۶..... شراب ناب         | ۱۰۹..... به تو امید می بندم  |
| ۱۲۶..... از کدام ملت هستی | ۱۰۹..... مادر                |
| ۱۲۷..... طلاق             | ۱۱۱..... اختر                |
| ۱۲۸..... افلاک            | ۱۱۲..... باده                |
| ۱۲۹..... دریای عشق        | ۱۱۲..... مست و مستانه        |
| ۱۲۹..... شبنم             | ۱۱۳..... روز معلم            |
| ۱۳۰..... صدای آب          | ۱۱۳..... هیجا                |
| ۱۳۰..... کمند زلف         | ۱۱۳..... من زنده ام هنوز     |
| ۱۳۱..... سودای ناله       | ۱۱۴..... انوار               |
| ۱۳۲..... کوچه             | ۱۱۴..... وصف مادر            |
| ۱۳۳..... پروانه           | ۱۱۵..... خاطرت هست           |

|     |                  |     |                   |
|-----|------------------|-----|-------------------|
| ۱۵۲ | خاک پر گهر       | ۱۳۳ | درو گلی           |
| ۱۵۳ | رباعی            | ۱۳۴ | روز رستاخیز       |
| ۱۵۳ | سرنوشت آدمی      | ۱۳۵ | توک کاشانه        |
| ۱۵۴ | یار مردان        | ۱۳۵ | اکرم              |
| ۱۵۵ | امواج پرتلاطم    | ۱۳۶ | بسم الله          |
| ۱۵۶ | پیچش مرغا        | ۱۳۶ | غروب              |
| ۱۵۷ | یوسف گل پیراهن   | ۱۳۷ | غافل              |
| ۱۵۷ | طنین             | ۱۳۸ | عاشق سرخورده      |
| ۱۵۸ | افسانه           | ۱۳۸ | چهره تاریک شب     |
| ۱۵۹ | میخانه           | ۱۳۹ | بلبل              |
| ۱۵۹ | خاطرات پر فروغ   | ۱۴۰ | سایه های بی وفایی |
| ۱۶۰ | طرحه گیسو        | ۱۴۰ | چهره خندان        |
| ۱۶۰ | ثواب             | ۱۴۱ | بیابان جنون       |
| ۱۶۱ | روز معلم         | ۱۴۱ | احمد محمود        |
| ۱۶۱ | صفا و معرفت چیست | ۱۴۳ | فراق دلبر         |
| ۱۶۱ | پند              | ۱۴۳ | داد از زمانه      |
| ۱۶۲ | خدای یکتا        | ۱۴۴ | خدای لایزال       |
| ۱۶۲ | رباعی            | ۱۴۵ | غم دیرینه         |
| ۱۶۳ | رباعی            | ۱۴۵ | نغمه جاوید        |
| ۱۶۳ | یا علی           | ۱۴۶ | نور صفا           |
| ۱۶۳ | خنده             | ۱۴۷ | توتیای چشم        |
| ۱۶۴ | عارف             | ۱۴۷ | مریم آشنا         |
| ۱۶۴ | پیک آرزو         | ۱۴۷ | رباعی             |
| ۱۶۵ | راه بدفرجام      | ۱۴۸ | کین               |
| ۱۶۵ | حکایت            | ۱۴۸ | رباعی             |
| ۱۶۶ | مرغ سحر          | ۱۴۸ | بیهودگی           |
| ۱۶۶ | سینه ای پردرد    | ۱۴۹ | راز جوانی         |
| ۱۶۷ | خمار             | ۱۵۰ | فرشته             |
| ۱۶۷ | هر فروزنده       | ۱۵۱ | نوای نی           |

|                        |                            |
|------------------------|----------------------------|
| ۱۷۸.....عاشق تنها      | ۱۶۸.....گلشن               |
| ۱۷۹.....همسفر          | ۱۶۸.....چرخش فرخنده        |
| ۱۷۹.....گفتم به چشم    | ۱۶۹.....غنچه خندان         |
| ۱۸۰.....رباعی          | ۱۶۹.....شمع                |
| ۱۸۱.....گل عذار        | ۱۷۰.....سبزینه             |
| ۱۸۱.....پارک           | ۱۷۰.....خرمن عشق           |
| ۱۸۲.....روز معلم       | ۱۷۱.....نوی الحق           |
| ۱۸۲.....زلیخا          | ۱۷۱.....پرستاری            |
| ۱۸۳.....بیشت جاودان    | ۱۷۲.....گل فروش            |
| ۱۸۳.....انابه          | ۱۷۲.....دیر آشنا           |
| ۱۸۳.....همسر           | ۱۷۳.....روزگار             |
| ۱۸۴.....مهمان          | ۱۷۳.....دل                 |
| ۱۸۴.....افتان و خیزان  | ۱۷۴.....بیگانه             |
| ۱۸۵.....سفر فصل        | ۱۷۴.....طلوع               |
| ۱۸۵.....لطف            | ۱۷۵.....حکایت              |
| ۱۸۶.....تاری از موی تو | ۱۷۵.....شمع شبستان         |
| ۱۸۶.....شریت تلخ       | ۱۷۶.....گاهی قدم من می نهم |
| ۱۸۶.....توکل           | ۱۷۶.....پیمانه ساقی        |
| ۱۸۷.....گروگان         | ۱۷۷.....حکایت              |
| ۱۸۸.....مجلس رندان     | ۱۷۸.....مصلحت              |



## پیشگفتار

به نام خداوند بخشنده مهربان

سیاس بیکران به درگاه احدیت خالق کائنات که بشر را اشرف و سرآمد مخلوقات آفرید و به وی هوش و ذکاوت بسیار عطا فرمود تا بتواند بر تمام موجودات سلطه یابد و سواد بیاموزد و با قلم، مکنونات قلبی خود را به رشته تحریر کشد و همان طور که برای پرورش جسم به غذا احتیاج دارد بتواند با جملات و سخنان نغز و دلنشین و سرودها و آهنگهای عارفانه، عالی ترین غذای روح را برای خود فراهم کند.

همان طور که واقفید، هر نویسنده یا شاعر، شمه‌ای از تجربه‌های خود را به صورت شعر و نثر می‌انگارد تا خوانندگان عزیز از چگونگی تفکر و احوالات شاعر یا نویسنده آگاه شوند، بنده نیز از این قاعده مستثنی نیستم و با عذرخواهی، شمه‌ای از مکنونات قلبی خود را به طور نارسا در قالب اشعار ریخته‌ام، امیدوارم هرگونه کاستی راه‌یافته در این مجموعه را بر من ببخشایید.

حسن برهانی